



‘ऑपरेशन कवच’ से नशे के खिलाफ विद्यार्थियों को सुरक्षा कवच देगी पंजाब पुलिस



चंडीगढ़/लुधियाना/खन्ना, 9 अक्टूबर। पंजाब पुलिस ने युवाओं को नशे से बचाने और समय रहते समस्याओं की पहचान करने के उद्देश्य से ‘ऑपरेशन कवच’ की शुरुआत की है। लुधियाना रेंज के डीआईजी संदीप गोयल ने खन्ना स्थित गुलज़ार ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस में इस विद्यार्थी-केंद्रित पहल का शुभारंभ किया। यह पहल एसएसपी खन्ना डॉ. दर्पण आहलूवालिया के नेतृत्व में शुरू की गई है।

ऑपरेशन कवच का उद्देश्य नशे से जुड़ी समस्याओं पर घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय शुरुआती स्तर पर हस्तक्षेप करना और विद्यार्थियों के बीच सहयोग का नेटवर्क तैयार करना है। डीआईजी संदीप गोयल ने कहा कि साथियों का दबाव युवाओं को नशे की ओर धकेल सकता है।

पंजाब विधानसभा का 13वां सत्र 22 अक्टूबर को सुबह 11 बजे होगा शुरू: स्पीकर संधवां



चंडीगढ़, 9 अक्टूबर 2026। पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने 16वीं पंजाब विधानसभा का 13वां सत्र 22 अक्टूबर, 2026 को बुलाया है। यह सत्र सुबह 11 बजे चंडीगढ़ स्थित विधान भवन के पंजाब विधानसभा हॉल में आयोजित होगा।

स्पीकर ने विधानसभा के कार्य संचालन संबंधी नियमों (प्रोविजन एंड कंडक्ट ऑफ़ बिजनेस इन द पंजाब विधानसभा) के नियम 16 के दूसरे प्रावधान के तहत सत्र बुलाने का निर्णय लिया है।

गौरतलब है कि पंजाब विधानसभा का यह सत्र पहले 10 अगस्त, 2026 को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। अब इसे दोबारा 22 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा।

विधानसभा सचिवालय की ओर से सत्र का तिथिवार अस्थायी कार्यक्रम जारी किया जाना है। सत्र के दौरान निर्धारित कार्यवाही विधानसभा के नियमों और तय प्रक्रिया के अनुसार संचालित की जाएगी।

एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए विश्वस्तरीय तैयारियां करेगा पंजाब: मुख्यमंत्री भगवंत मान



जालंधर, 9 अक्टूबर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगामी एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों का जायजा लेने के लिए जालंधर स्थित बर्लटन पार्क स्टेडियम का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे, पुख्ता सुरक्षा, सुचारू यातायात और प्रभावी भीड़ प्रबंधन सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाएं।

चंडीगढ़ में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद स्टेडियम पहुंचे मुख्यमंत्री ने निर्माण, नवीनीकरण और अन्य विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि पंजाब को अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी में नए मील पत्थर स्थापित करने चाहिए और इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के माध्यम से राज्य की खेल विरासत तथा आयोजन क्षमता को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने दर्शकों की सुरक्षा, सुविधा और आराम को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर देते हुए कहा कि

खिलाड़ियों, अधिकारियों और हॉकी प्रेमियों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। मैचों से पहले, दौरान और बाद में लोगों की आवाजाही सुचारू रखने के लिए व्यापक योजना तैयार की जाए।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने स्टेडियम में स्थापित नई प्रकाश व्यवस्था, स्कोरबोर्ड और चल रहे नवीनीकरण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्धारित समयसीमा में सभी कार्य पूरे करने और टूर्नामेंट शुरू होने से पहले प्रत्येक सुविधा की जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्टेडियम का बुनियादी ढांचा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता की आवश्यकताओं के अनुरूप पूरी तरह तैयार होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने विदेशी टीमों के खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए विशेष बसों, उचित परिवहन, पुख्ता सुरक्षा तथा निर्बाध लॉजिस्टिक सहायता की व्यवस्था करने को भी कहा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी तालमेल से काम करने और अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। साथ ही, प्रवेश मार्गों, भीड़ नियंत्रण और

दर्शकों की आवाजाही से जुड़ी संभावित कमियों को समय रहते दूर करने पर जोर दिया।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब की हॉकी में समृद्ध परंपरा रही है और राज्य के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने और अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर पंजाब की पहचान मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री महिंदर भगत, हॉकी पंजाब के अध्यक्ष नितिन कोहली, जालंधर के मेयर विनीत धीर और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्टेडियम में पेयजल, साफ-सफाई, बैठने की उचित व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि दर्शकों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए प्रत्येक व्यवस्था की नियमित निगरानी की जाए, ताकि आयोजन के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो।

पंजाब की ‘शिक्षा क्रांति’ से जुड़े 21 लाख अभिभावक, सरकारी स्कूलों को विश्वस्तरीय बनाने का लक्ष्य: हरजोत सिंह बैस

चंडीगढ़, 9 अक्टूबर 2026। पंजाब में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार की ‘शिक्षा क्रांति’ के तहत 21 लाख अभिभावक सरकारी स्कूलों को विश्वस्तरीय बनाने के अभियान से जुड़े हैं। राज्य के सभी 23 जिलों के 19,200 सरकारी स्कूलों में आयोजित मेगा पैरेंट-टीचर मीटिंग (पीटीएम) में अभिभावकों ने भाग लेकर बच्चों की शैक्षणिक प्रगति पर शिक्षकों के साथ चर्चा की।

शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैस ने बड़ी संख्या में अभिभावकों की भागीदारी के लिए उनका आभार जताया। उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग को राज्यव्यापी कार्यक्रम के सफल आयोजन पर बधाई देते हुए कहा कि सरकार अभिभावकों और शिक्षकों के सहयोग से बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैस ने कहा कि पंजाब शिक्षा के क्षेत्र में देश में पहले स्थान पर है और सरकार अब सरकारी स्कूलों को विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ऐसा ‘रंगला पंजाब’ बनाना लक्ष्य है, जहां प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें।

‘हर दिन, एक कदम आगे’ थीम के तहत आयोजित

बैठक में अभिभावकों ने बच्चों की रिपोर्ट कार्ड, उपस्थिति, पढ़ाई में प्रगति और सुधार की जरूरत वाले विषयों पर शिक्षकों से चर्चा की। शिक्षकों ने घर पर बच्चों की पढ़ाई में सहयोग देने के लिए भी उपयोगी सुझाव साझा किए। राज्यभर में मंत्रियों और आम आदमी पार्टी के विधायकों ने विभिन्न स्कूलों में भाग लिया, जबकि अधिकारियों ने करीब 2,000 स्कूलों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

बैठकों के दौरान अभिभावकों को शिक्षा विभाग की योजनाओं और स्कूल प्रबंधन समितियों की भूमिका के बारे में भी जानकारी दी गई। सरकार का उद्देश्य परिवारों को शिक्षा व्यवस्था से जोड़कर बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार लाना है।

इस दौरान कुछ अभिभावकों ने सरकार की शिक्षा सुधार पहलों और कल्याणकारी योजनाओं की सराहना की। महिलाओं ने ‘मावां-पीआं’ सत्कार योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता से घरेलू खर्च और बच्चों की शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलने की बात कही। वहीं, ‘मुख्यमंत्री सेहत योजना’ के तहत प्रति परिवार ₹10 लाख तक के केशलेस स्वास्थ्य कवर को लेकर भी सकारात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आईं।

भगवंत मान सरकार ने दोहराया कि अभिभावकों और शिक्षकों के सहयोग से सरकारी स्कूलों को मजबूत बनाना, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना और प्रत्येक बच्चे के लिए बेहतर भविष्य के अवसर उपलब्ध कराना उसकी प्राथमिकता है।

शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैस ने कहा कि मेगा पीटीएम जैसी पहल से अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद मजबूत होता है। इससे बच्चों की पढ़ाई से जुड़ी चुनौतियों की समय रहते पहचान कर उनके समाधान के लिए मिलकर प्रयास किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ने के लिए उचित मार्गदर्शन और सहयोग मिले।



एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पंजाब में विश्वस्तरीय प्रबंध होंगे: भगवंत मान



चंडीगढ़, 9 अक्टूबर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक आयोजित होने वाली एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से पंजाब अपनी समृद्ध हॉकी विरासत और खेल आयोजनों की मेजबानी करने की क्षमता प्रदर्शित करेगा।

मुख्यमंत्री ने उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को आपसी समन्वय से काम करने और खिलाड़ियों, अधिकारियों तथा दर्शकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह 27 अक्टूबर को जालंधर में होगा और मुकाबले 5 नवंबर तक खेले जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत, चीन, मलेशिया, जापान, बांग्लादेश और दक्षिण कोरिया की टीमों इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। इससे पंजाब को अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में अपनी पहचान मजबूत करने और राज्य की सांस्कृतिक परंपराओं तथा मेहमाननवाजी को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने अधिकारियों को खिलाड़ियों और प्रतिनिधिमंडलों के लिए गुणवत्तापूर्ण आवास, भोजन, सुरक्षा तथा सुचारू परिवहन की व्यवस्था करने को कहा। स्टेडियम और होटलों के बीच आवागमन को सुविधाजनक बनाने के साथ-साथ सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश भी दिए गए।

मुख्यमंत्री ने जालंधर और मोहाली में स्वच्छता अभियान चलाने, सार्वजनिक स्थानों का सौंदर्यीकरण करने तथा स्टेडियम तक जाने वाली सड़कों की मरम्मत सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तैयारियां केवल खेल स्थल तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि शहरों में भी साफ-सफाई और बेहतर नागरिक सुविधाएं दिखाई देनी चाहिए।

युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री ने स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों को मेच देखने का अवसर देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को खेलते देखना विद्यार्थियों को हॉकी, अनुशासन और टीम भावना के प्रति प्रेरित कर सकता है।



Advertisement



Are you looking for a reliable EMAIL SERVICE PROVIDER?

Choose the best suitable plan for your business from **SquareNet**



Secure & Reliable



Professional Email



Cloud Integration



24/7 Expert Support



Scalable for Every Business

Empower Your Business with Secure, Professional & Scalable Email Solutions



SQUARENET INDIA PRIVATE LIMITED
C-6, Sebiz Square, IT Park, Sector 67,
Mohali 160062, Punjab India



www.squarenetindia.com



mail@squarenetsolutions.com



+91-904-101-2541
[PRI LINE]

पैस्को के 48वें स्थापना दिवस पर चेयरमैन मेजर (डॉ.) गुरचरण सिंह ने कर्मचारियों को दी बधाई



चंडीगढ़, 9 अक्टूबर। पंजाब एक्स-सर्विसमैन कॉरपोरेशन (पैस्को) के चेयरमैन मेजर (डॉ.) गुरचरण सिंह (सेवानिवृत्त) ने निगम के 48वें स्थापना दिवस के अवसर पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। निगम का स्थापना दिवस 10 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने पैस्को की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाए रखने और विभिन्न सरकारी विभागों एवं संस्थानों में अपनी पहचान स्थापित करने में अधिकारियों तथा कर्मचारियों की भूमिका की सराहना की।

अपने बधाई संदेश में चेयरमैन ने कहा कि किसी भी संस्थान की सफलता उसके अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्पण, ईमानदारी, मेहनत तथा प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। पैस्को ने अपने कर्मचारियों के निरंतर प्रयासों और शानदार सेवाओं के बल पर कार्यक्षमता एवं विश्वसनीयता को बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि निगम से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए संस्थान की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

मेजर (डॉ.) गुरचरण सिंह ने निगम के अधिकारियों, जूनियर कमीशंड अधिकारियों (जेसीओ) और अन्य कर्मचारियों के बहुमूल्य योगदान की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की सामूहिक मेहनत किसी भी संगठन को मजबूत बनाने और उसे निर्धारित लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है। पैस्को की उपलब्धियों में भी इसके अधिकारियों और कर्मचारियों की प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

चेयरमैन ने सभी कर्मचारियों को भविष्य में भी इसी समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने निगम के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि पैस्को आने वाले वर्षों में भी अपनी कार्यप्रणाली और सेवाओं के माध्यम से नई उपलब्धियां हासिल करेगा।

उन्होंने स्थापना दिवस को निगम की अब तक की यात्रा, उपलब्धियों और कर्मचारियों के योगदान को याद करने का अवसर बताते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं।

पैस्को के 48वें स्थापना दिवस के अवसर पर निगम की कार्ययात्रा और अब तक की उपलब्धियों में योगदान देने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका को महत्वपूर्ण माना गया। संस्थान की निरंतर प्रगति के पीछे कर्मचारियों की मेहनत, अनुशासन और अपने दायित्वों के प्रति निष्ठा अहम आधार रहे हैं।

निगम के कामकाज में अनुभवी अधिकारियों और कर्मचारियों का योगदान महत्वपूर्ण है। उनके अनुभव, कार्यकुशलता और अनुशासित कार्यशैली से संस्थान को अपनी जिम्मेदारियां प्रभावी ढंग से निभाने में सहायता मिलती है। चेयरमैन ने कर्मचारियों के इसी समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना की।

किसी भी संगठन की प्रगति में टीमवर्क की अहम भूमिका होती है। अधिकारियों, जूनियर कमीशंड अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय से कार्यों को व्यवस्थित तरीके से पूरा करने में मदद मिलती है। पैस्को की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाए रखने में भी सामूहिक प्रयासों का योगदान रहा है।

चेयरमैन मेजर (डॉ.) गुरचरण सिंह ने अपने संदेश में अधिकारियों और कर्मचारियों की ईमानदारी तथा कर्तव्यनिष्ठा को महत्व दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान की विश्वसनीयता उसके कर्मचारियों के आचरण और काम के प्रति प्रतिबद्धता से मजबूत होती है। इन मूल्यों को बनाए रखना संस्थान की निरंतर प्रगति के लिए आवश्यक है। पैस्को ने विभिन्न सरकारी विभागों और संस्थानों में अपनी पहचान स्थापित की है।

जीएमसीएच-32 का मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, स्कूलों से कार्यस्थलों तक पहुंचेगी विशेषज्ञों की टीम



चंडीगढ़, 9 अक्टूबर। गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच), सेक्टर-32, चंडीगढ़ के मनोचिकित्सा विभाग ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस-2026 के अवसर पर अक्टूबर और नवंबर में व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया है। इसका उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर खुलकर संवाद को बढ़ावा देना, शुरुआती लक्षणों की पहचान करना और जरूरतमंदों को उचित उपचार एवं परामर्श लेने के लिए प्रेरित करना है।

तनाव प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य जांच और काउंसलिंग पर जोर; अक्टूबर-नवंबर में होंगे जागरूकता कार्यक्रम इस वर्ष की थीम 'जीवंत अनुभवों को सुनें: वास्तविक आवाजें, वास्तविक बदलाव' है। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप चलाए जा रहे इस अभियान के तहत स्कूलों, कॉलेजों, कार्यस्थलों और सामुदायिक क्षेत्रों में जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

जीएमसीएच के मनोचिकित्सा विभाग के प्रमुख प्रोफेसर डॉ. अजीत सिदानी के नेतृत्व में चल रहे इस अभियान में मनोचिकित्सक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक कार्यकर्ता, नर्सिंग पेशेवर, काउंसलर और सामुदायिक स्वास्थ्य टीम में भाग ले रही हैं। अभियान में तनाव प्रबंधन,

भावनात्मक सहयोग, स्वस्थ जीवनशैली और मानसिक समस्याओं के शुरुआती संकेतों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

5 अक्टूबर से शुरू हुए अभियान के तहत पलसोरा स्थित ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र (आरएचटीसी), मलोया क्लिनिक और सेक्टर-56 के आंगनवाड़ी केंद्रों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान, तनाव से निपटने के उपाय और समय पर विशेषज्ञ सहायता लेने के महत्व पर चर्चा हुई। पंजाब विश्वविद्यालय में सामाजिक कार्यकर्ताओं के मानसिक स्वास्थ्य और मनोसामाजिक कल्याण पर भी सत्र आयोजित किया गया।

8 अक्टूबर को आरएचटीसी में बेहतर देखभाल के लिए मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों की भागीदारी पर समूह चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी अपने अनुभव साझा किए। अभियान का उद्देश्य मानसिक समस्याओं से जुड़े सामाजिक भेदभाव और झिझक को कम करना भी है।

9 अक्टूबर को मानसिक स्वास्थ्य संस्थान में परिवर्तन एनजीओ के सहयोग से 'मनोनय क्लिनिक' का उद्घाटन प्रस्तावित है। विद्यार्थियों के लिए पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिताएं तथा शिक्षकों के लिए मानसिक

स्वास्थ्य संबंधी संवादात्मक सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।

10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर आरएचटीसी कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल पर तनाव से संबंधित विशेष सत्र होगा। वहीं, 19 अक्टूबर को सेक्टर-43 स्थित सीनियर सिटिजन होम में बुजुर्गों की मानसिक स्वास्थ्य जांच एवं प्रबंधन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यहां कार्यरत कर्मचारियों के लिए भी जागरूकता सत्र रखा जाएगा। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे लोगों के लिए विशेष कर्निवल की योजना भी बनाई जा रही है।

अभियान के विस्तार के लिए परिवर्तन, पंजाब विश्वविद्यालय, पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, श्री धन्वंतरि आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल, ऑल इंडिया पिंगलवाड़ा चैरिटेबल सोसायटी और इन्फोसिस सहित विभिन्न संस्थानों से सहयोग लिया जा रहा है। आगे जागरूकता व्याख्यान, कार्यशालाएं, जांच शिविर और कार्यस्थलों पर तनाव एवं बर्नआउट प्रबंधन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान का समन्वय डॉ. कमलेश कुमार साहू, एसोसिएट प्रोफेसर एवं इंचार्ज, साइकियाट्रिक सोशल वर्क, जीएमसीएच-32 कर रहे हैं।

जीएमएमएस सेक्टर-49डी में ‘ज्ञानोत्सव’ मेले का आयोजन, विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

पुनीत महाजन | चंडीगढ़, 9 अक्टूबर। गवर्नमेंट मॉडल मिडिल स्कूल (जीएमएमएस), सेक्टर-49डी, चंडीगढ़ में मुख्य शिक्षक रवि शंकर की देखरेख में 'ज्ञानोत्सव' थीम के तहत व्यापक शैक्षणिक मेले का आयोजन किया गया। मेले में बाल मेला, रीडिंग मेला और भाषा उत्सव सहित तीन प्रमुख गतिविधियां आयोजित की गईं। इनके माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ रचनात्मकता दिखाने, व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने और अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिला। विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सीखने की प्रक्रिया को रोचक और आनंददायक बनाया।

बाल मेला, रीडिंग मेला और भाषा उत्सव के जरिए गतिविधि आधारित शिक्षा, रचनात्मकता व सर्वांगीण विकास को मिला बढ़ावा

कार्यक्रम में डिप्टी डायरेक्टर स्कूल एजुकेशन निर्मल शर्मा, समग्र शिक्षा की पेडागॉजी कोऑर्डिनेटर कोमल शर्मा, जीएमएसएसएस-46डी की प्रिंसिपल प्रीति सुंद, जीएमएचएस-49 की हेडमिस्ट्रेस मीनाक्षी सोनी, जीएमएचएस-32 की हेडमिस्ट्रेस रूबी, जीएमएचएस-46 की इंचार्ज शालू गुलाटी, वार्ड नंबर-35 के पार्षद राजेंद्र शर्मा, भारत विकास परिषद से हरजेंद्र सिंह तथा सीआरसीसी सुमन नारंग विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों की मौजूदगी ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। उन्होंने विद्यालयों में आनंदमय, समावेशी और गतिविधि आधारित शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया।

बाल मेले का उद्देश्य विद्यार्थियों को गतिविधि आधारित शिक्षा से जोड़ना और उन्हें करके सीखने के लिए प्रेरित

करना रहा। बच्चों ने विभिन्न रचनात्मक और शैक्षणिक गतिविधियों में हिस्सा लिया। इन गतिविधियों के जरिए उनकी कल्पनाशक्ति, तार्किक सोच, समस्या समाधान की क्षमता और आत्मविश्वास को विकसित करने पर जोर दिया गया। इस पहल ने विद्यार्थियों को कक्षा में सीखी गई बातों को व्यावहारिक अनुभवों से जोड़ने का अवसर प्रदान किया।

रीडिंग मेले के माध्यम से विद्यार्थियों में पुस्तकों के प्रति रुचि बढ़ाने और नियमित पढ़ने की आदत विकसित करने का प्रयास किया गया। बच्चों को पठन क्षमता, शब्दावली, विषय-वस्तु को समझने और कल्पनाशक्ति को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया गया। पढ़ने के महत्व को रेखांकित करते हुए इसे ज्ञान अर्जित करने और जीवनभर सीखते रहने की महत्वपूर्ण आदत के रूप में अपनाने का संदेश दिया गया।

भाषा उत्सव में विद्यार्थियों की भाषाई क्षमता और संवाद कौशल को निखारने पर विशेष ध्यान दिया गया। भाषा आधारित गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने के कौशल में सुधार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही, अपने विचारों को स्पष्ट और प्रभावी ढंग से व्यक्त करने, शब्दावली बढ़ाने तथा आत्मविश्वास के साथ संवाद करने के महत्व को भी सामने रखा गया।

'ज्ञानोत्सव' मेले ने विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़कर सीखने और अपनी क्षमताओं को पहचानने का अवसर दिया। कार्यक्रम के जरिए रचनात्मकता, तार्किक चिंतन, आपसी सहयोग और व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा मिला। तीनों गतिविधियों ने शिक्षा को अधिक सहभागी, रोचक और अनुभव आधारित बनाने की

दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्य शिक्षक रवि शंकर की देखरेख में आयोजित यह कार्यक्रम सफल रहा। 'ज्ञानोत्सव' के माध्यम से विद्यालय ने नवीन शिक्षण पद्धतियों, अनुभव आधारित शिक्षा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। इस आयोजन ने यह संदेश भी दिया कि शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों में जिज्ञासा, रचनात्मकता, भाषा कौशल और आत्मविश्वास विकसित करना भी इसका अहम उद्देश्य है।

मेले के दौरान विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी ने पूरे आयोजन को जीवंत बना दिया। विभिन्न गतिविधियों में शामिल होकर बच्चों ने अपनी रुचि, प्रतिभा और सीखने की क्षमता का प्रदर्शन किया। इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों को अपनी खूबियों को पहचानने और नए विषयों को समझने का अवसर मिलता है। साथ ही, वे सामूहिक रूप से कार्य करना और एक-दूसरे के अनुभवों से सीखना भी सीखते हैं।

'ज्ञानोत्सव' जैसे आयोजन बच्चों को पारंपरिक शिक्षण पद्धति से आगे बढ़कर अनुभवों के माध्यम से सीखने के लिए प्रेरित करते हैं। जब विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलता है, तो वे विषयों को अधिक सहजता से समझ पाते हैं। इससे उनकी जिज्ञासा बढ़ती है और वे सवाल पूछने, नए विचार प्रस्तुत करने तथा समस्याओं के समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित होते हैं।

10 साल से बढ़हाल MHC की सड़कें, ₹11.51 करोड़ के प्रोजेक्ट पर उठे सवाल; काम शुरू होकर फिर ठप



चंडीगढ़। मनीमाजरा के मॉडर्न हाउसिंग कॉम्प्लेक्स (MHC), वार्ड नंबर-6 में आंतरिक सड़कों की बढ़हाली को लेकर स्थानीय निवासियों का रोष बढ़ता जा रहा है। लोगों के अनुसार, क्षेत्र की कई सड़कें करीब 10 वर्षों से मरम्मत और पुनर्निर्माण की प्रतीक्षा कर रही थीं। अब लगभग 11.51 करोड़ रुपये के आंतरिक सड़क निर्माण प्रोजेक्ट के तहत काम शुरू हुआ, लेकिन कुछ ही दिनों बाद काम की रफ्तार थमने और निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। निवासियों के बीच मौजूदा पार्षद सरबजीत कौर के प्रति भी नाराजगी सामने आ रही है।

स्थानीय लोगों का सवाल है कि जब सड़कों पर लंबे समय से गड्ढे थे और लोगों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही थी, तो स्थायी समाधान पहले क्यों नहीं किया गया? कुछ निवासियों ने पूर्व पार्षद जगतार सिंह जग्गा और वर्तमान पार्षद सरबजीत कौर के कार्यकाल के दौरान सड़क समस्या का समाधान न होने पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि विकास कार्यों को चुनावी माहौल से जोड़कर देखने की नौबत नहीं आनी चाहिए। जनता को राजनीतिक दावों के बजाय समय पर बुनियादी सुविधाएं मिलनी चाहिए।

निवासियों के अनुसार, सड़क का कुछ हिस्सा तैयार होने के बाद काम फिलहाल रुका हुआ है। इसके पीछे बिटुमिनस सामग्री उपलब्ध न होने की बात बताई जा रही है। लोगों का सवाल है कि निर्माण शुरू करने से पहले सामग्री और पूरी कार्ययोजना की उपलब्धता सुनिश्चित क्यों नहीं की गई? कुछ स्थानों पर सड़क की ऊंचाई, सतह की समानता और किनारों से सामग्री उखड़ने जैसी समस्याओं की शिकायतें भी सामने आई हैं। हालांकि, इन शिकायतों की वास्तविक स्थिति निर्धारित करने के लिए नगर निगम की तकनीकी टीम द्वारा निरीक्षण और गुणवत्ता जांच जरूरी है।

निवासियों ने मांग की है कि सड़क की मोटाई, लेवल, ढलान, रोलिंग और कम्पैक्शन सहित सभी तकनीकी मानकों की जांच कराई जाए। इसके साथ ही निर्माण की प्रत्येक परत से संबंधित परीक्षण रिपोर्ट, माप पुस्तिका (Measurement Book) और गुणवत्ता नियंत्रण रिकॉर्ड की स्थिति भी स्पष्ट की जाए। लोगों का कहना है कि केवल सड़क बन जाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका निर्धारित मानकों के अनुरूप होना भी जरूरी है। यदि किसी हिस्से में निर्माण संबंधी खामी मिलती है, तो जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

कुछ निवासियों ने सवाल उठाया है कि उद्घाटन के समय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी के बाद अधूरे काम की निगरानी कौन कर रहा है। लोगों के बीच यह कटाक्ष भी चर्चा में है कि यदि काम बंद पड़ा है, तो उसकी स्थिति भी सार्वजनिक की जानी चाहिए। उनका कहना है कि जनता को पहले दिन की तस्वीरों से ज्यादा पूरी, सुरक्षित और टिकाऊ सड़क चाहिए। नगर निगम और संबंधित जनप्रतिनिधियों को निर्माण की मौजूदा स्थिति तथा शेष कार्य की समयसीमा स्पष्ट करनी चाहिए।

निवासियों ने गेट नंबर-3 से रेलवे अंडरब्रिज तक के मार्ग की बढ़हाली का मुद्दा भी उठाया है। उनके अनुसार, इस हिस्से में गड्ढों के कारण लोगों को परेशानी होती है। उन्होंने सवाल किया है कि जब पूरे कॉम्प्लेक्स की आंतरिक सड़कों के लिए बड़ा टेंडर जारी हुआ है, तो इस मार्ग का निर्माण कब होगा और इसे पूरा करने की समयसीमा क्या है? R W A के प्रधान एवं समाजसेवी तलविंदर सिंह ने कहा कि सड़क निर्माण केवल शुरू करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे गुणवत्ता के साथ पूरा करना भी जरूरी है।



herbegy™

Think pure think herbal

PREMIUM SPICES RANGE

Pure Spice. Rich Flavour.



PURE | AROMATIC | PREMIUM QUALITY

Advertisement

For Dealer Inquiry Contact:

727-515-0015